अर्धनग्न होकर सरकार के खिलाफ जताया रोष

करनाल। भारतीय किसान यूनियन चढूनी ग्रुप के आह्वान पर बुधवार को किसानों ने मुश्तरका मालकन, शामलात देह व खराब फसल गिरदावरी को लेकर अर्धनगन होकर प्रदर्शन किया। किसानों ने जिला सचिवालय के गेट के सामने प्रतियां जलाकर रोष जताया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसानों ने प्रदर्शन कर जिला प्रशासन को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपा। किसानों ने कहा कि यदि उनकी मांगों को जल्द ही पूरा नहीं किया गया तो वह बड़ा आंदोलन छेडने् पर मजबूर होंगे।

देह शामलात और जुमला मुश्तरका जमीनों पर मालिकाना हक के मामले को लेकर भाकियू (चढूनी)गत दिनों बैठक हुई थी। जिसमें फैसला लिया या था कि 28 सितंबर को जिला सचिवालय पर प्रदर्शन किया जाएगा। आज भाकियू (चढूनी) की कॉल पर किसान जाट भवन में एकत्रित हुए और वहां से अर्धनगन होकर प्रदर्शन करते हुए जिला सचिचालय के सामने प्रदर्शन कर रोष जताया। इस दौरान किसानों ने कानून की प्रतियां भी जलाई और रोष प्रदर्शन के बाद जिला प्रशासनिक अधिकारियों को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

किसानों को जमीन से बेदखल करना चाहती है सरकार

भारतीय किसान यूनियन के जिला प्रधान अजय राणा ने कहा कि सरकार कानून लाकर किसानों को उनकी जमीनों से बेदखल करना चाहती है। देह शामलात जमीन की उनकी पूरानी मांग है। किसान अपनी मांग को लेकर काफी समय से संघर्ष कर रहे है। बारिश के कार किसानों की फसल खराब हो चुकी है। किसान कर्जदार हो चुका है। सरकार किसान की ओर ध्यान नहीं दे रही। उनकी मांग है कि खराब फसलों की गिरदावरी करवाकर किसानों को जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाए। कानून लाकर किसानों को परेशान कर रही सरकार

सरकार कानून लाकर किसानों को परेशान कर रही है। सरकार कानून लाकर उनकी जमीनों को हथियाना चाहती है। बहुत ही जमीन तो ऐसी है। जो किसानों ने अपने हिस्से में से दी हुई है। जिसमें जोहड़, तालाब आदि बने हुए है। आठ से नौ प्रकार की जमीनें है जो सरकार किसानों से हथिया कर पंचायतों को देना चाहती है। किसानों को नोटिस भेज कर तंग किया जा रहा है। भारतीय किसान यूनियन चढूनी ग्रुप की कॉल पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया है।

आजादी से पहले जमीनों पर खेती कर रहे किसान

उपप्रधान सुकरमल पाल ने कहा कि देह शामलात भूमि को पंचायत को देकर अपने कब्जे लेना चाहती है। जबकि किसान आजादी से पहले जमीन पर खेती कर रहा है, लेकिन किसानों को बेवजय परेशान किया जा रहा है। वहीं किसानों की फसले खराब होने से किसान कर्जदार हो चुका है, लेकिन किसानों की फसल की समय पर गिरदावरी नहीं हो रही। किसानों की मांग है कि जल्द ही फसल की गिरदावरी करवाकर मुआवजा दिया जाए

करनाल के गांव पिचौलिया में छात्रों का स्कूल के बाहर प्रदर्शन

करनाल- (के सी आर्य)प्राइवेट स्कूलों-सी शिक्षा देने का दावा करने वाली हरियाणा सरकार स्कूली छात्रों को मूलभूत सुविधाएं देने तक में असमर्थ है। शिक्षकों की कमी और स्कूल के जर्जर हालातों ने पिचौलिया गांव के राजकीय उच्च विद्यालय के छात्रों को प्रदर्शन करने पर मजबूर कर दिया। स्कूल परिसर में छात्र एक ओर सरकार को कोस रहे थे तो दूसरी और मीडिया से बात करते करते छात्राएं रो पड़ी स्कूली छात्र, माने तो इस स्कूल में सिर्फ सामाजिक और संस्कृत का ही टीचर है और पढने् वाले छात्र सैकड़ों है। शिक्षकों के अभाव में छात्रों की शिक्षा का बंटाधार हो चुका है। प्रदर्शन कर रही छात्राओं के अभिभावकों ने स्कूल को 12वी कक्षा तक अपग्रेट करने की मांग की की,

गरीब परिवारों के छात्रों को सिर्फ सरकारी स्कूल का ही सहारा होता है। आधुनिक दौर में शिक्षा के क्षेत्र में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सरकारी स्कूल के छात्र अध्यापकों की कमी से जुझ रहे है। सुनने वाला यहां पर कोई नहीं है। दोपहर दो बजे तक कोई भी अधिकारी छात्रों की सुध लेने के लिए नहीं पहुंचा था। छात्र अपने मांगों पर अड़ी है और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। छात्रा ने रोते हुए लगाई गुहार, दसवीं कक्षा की छात्रा स्वीटी ने बताया कि उनके स्कूल में शिक्षकों की भारी कमी है। उनके स्कूल में जो शिक्षक थे उनकी ट्रांसफर कर दी गई। अब उनके स्कूल में दो ही शिक्षक एक संस्कृत व एक सामाजिक का है। जिसके कारण उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। स्कूल की छात्रा ने कहा कि वह पढना् चाहती है, लेकिन बिना शिक्षकों के वह कैसे पढ़े। छात्रा ने मुख्यमंत्री से रोते हुए गुहार लगाई की उनके स्कूल में शिक्षकों की कमी को पूरा किया जाए।

स्कूल में केवल दो शिक्षक, दसवीं कक्षा की छात्रा ने बताया कि उनके स्कूल में केवल दो शिक्षक है। मैथ, इंग्लीश, हिंदी का कोई शिक्षक नहीं है। जिसके कारण विद्यार्थियों को काफी परेशानी का सामना करना पढ़ रहा है। जिससे स्कूल में उनका पढना् मुश्किल हो रहा है। उनकी मांग है कि उन्हें जल्द से जल्द शिक्षक उपलब्ध करवाए जाएं। मांग पूरी नहीं हुई तो आंदोलन करने पर होंगे मजबूर, छात्रा प्रीति ने कहा कि सरकार वैसे तो बेटी पढ़ाओ का नारा देकर बेटियों को पढ़ाने का दावा करती है, लेकिन स्कूल में शिक्षक तक नहीं है। गांव पिंचोलिया में केवल दो शिक्षकों के सहारे स्कूल चल रहा है। छात्रा ने मांग करते हुए कहा कि उनके स्कूल में शिक्षकों की कमी को पूरा किया जाए। यदि उनकी मांग को पूरा नहीं किया गया तो वह आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

स्कूल में शिक्षकों की कमी पूरी नहीं हुई तो नहीं देंगे वोटगांव पिंचौलिया की बतेरी ने बताया कि स्कूल में शिक्षकों की कमी के कारण बच्चों को दूसरे गांव में जाकर पढना् पढ़ रहा है। स्कूल में साफ सफाई तक की भी व्यवस्था नहीं है। ग्रामीणों की मांग है कि स्कूल में शिक्षकों की कमी को दुरूस्त किया गया। यदि उनकी मांग को पूरा नहीं किया गया तो वह वोट का बहिष्कार करेंगे। गांव पिचोलिया निवासी सुनीता ने बताया कि स्कूल में शिक्षक ना होने से बच्चों को काफी दिक्कतें झेलनी पड़ रही है। बच्चों को पढने् के लिए जुंडला जाना पड़ता है। बच्चों की सुविधा के लिए कोई बस भी नहीं लगी हुई है। जिसके कारण परिजनों को डर बना रहता है। उनकी मांग है कि स्कूल में शिक्षकों के साथ-साथ अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाए।

गरीब लोगों की सुरक्षा के लिए नहीं है पुलिस

फ़रीदाबाद (म.मो.) पुलिस का काम नागरिकों के जान-माल की सुरक्षा करना होता है लेकिन यह सुरक्षा केवल साधन संपन्न लोगों तक ही उपलब्ध होती है

पुलिस की लापरवाही के चलते कांता नाम की महिला को अपना घर छोड़कर किराए के घर पर रहना पड़ रहा है। बसेलवा कॉलोनी की गली नंबर 7 मे कांता नाम की महिला अपने 13 साल के बेटे व शराबी पति के साथ रहती थी। कांता द्वारा संवाददाता को दी गई जानकारी के मुताबिक उसका ऑटो ड्राइवर पति जो भी कमाता है वह शराब में लुटा देता है। घर का गुजर-बसर करने के लिए कांता को दूसरों के घरों में जाकर काम करना पड़ता है, जिससे उसका बड़ी ही मुश्किल से गुजर बसर हो पाता है। कन्हैया शराब पीकर उसकी पिटाई करता है जिससे घर में हमेशा क्लेश का माहौल बना रहता है। कांता ने बताया कि उसके पति ने शादी से पहले किसी का मर्डर भी कर रखा है, जिसका उसे जानकारी नहीं थी। कन्हैया के परिवार वालों ने उनसे यह जानकारी छुपा कर रखी थी, और इसी बात का वह घर में खौफ बना कर उनके साथ मार-पिटाई करता है।

20 सितंबर मंगलवार के दिन इन्हीं झगड़? के चलते कांता की बुजुर्ग मां उसके घर आई हुई थी, शाम के समय कन्हैया जब कांता के साथ मार पिटाई कर रहा था तो उसकी मां बीच बचाव में आई तो कन्हैया ने

एक डंडे से जोरदार बार कांता की मां के सर पर कर दिया जिसकी वजह से कांता की मां के सर से काफी खून बहने लगा यह सब देखकर कन्हैया वहां से फरार हो गया।

इस बात की शिकायत करने के लिए अपनी लहूलुहान मां के साथ जब कांता ओल्ड थाना पुलिस के पास पहुंची, तो वहां मौजूद पुलिसकर्मी ने कहा कि पहले आप अपनी मां का इलाज करा ले शिकायत बाद में दे देना। इस पर कांता अपनी मां को लेकर बीके अस्पताल पहुंची जहां उसका इलाज करवाया गया, मरीज की हालत को देखते हुए डॉक्टर ने एडमिट करने के लिए कहा।

अगले दिन अपनी मां की मेडिकल रिपोर्ट को लेकर कांता ओल्ड थाना पहुंची जहां पर मौजूद पुलिस वालों ने कहा कि पहले अपनी मां का इलाज करा लो बाद में रपट लिखाना इस पर कांता सेक्टर 16 में मौजूद महिला थाना पहुंची जहां पर उसे कहा गया कि रिपोर्ट तो सेक्टर 16 की चौकी में ही लिखी जाएगी वहां पर रिपोर्ट लिखवा दो फिर कार्यवाही करेंगे।

गरीबी की इस हालत में किराया चुकाना भी उसके लिए भारी है। इसके अलावा पति की दहशत अलग से बनी हुई है ना जाने वह कब उसे ढूंढ कर मारे।

कांता के बारे में हमने आपको बताया है कि वह लोगों के घर में झूठे बर्तन धोकर वा झाड़ू पोचा करके अपना गुजर-बसर करती है, ऐसे में उसने जो किराए का मकान लिया है उसके लिए और मुसीबत खड़ी कर रहा है। और जो इन सभी मामले का गुनहगार है वह ऐश कर रहा है इस मामले में अगर पुलिस सही कार्यवाही करती तो आज कांता को इतनी परेशानियों का सामना ना करना पड़ता।

सेक्टर-25 के जलघर से दूषित पानी की सप्लाई

प्रशासन को इन्तजार है किसी बड़े आंदोलन का

फ़रीदाबाद (म.मो.) सेक्टर 25 स्तिथ जलघर से सेक्टर 55 के लिए पानी की सप्लाई जाती है, इस जलघर के हालात काफी लम्बे समय से बद से बदतर हुए पड़े है, इसकी छत को टूटे हुए लगभग साढे 4 वर्ष से अधिक का समय हो चुका है, धीरे-धीरे छत चार से पांच जगहों पर बुरी तरह से टूट कर पानी के अंदर ही गिर चुकी है।

जिसके कारण बरसात के दिनों में व अन्य खराब मौसम में सारा गंदा पानी इस के अंदर चला जाता है, व मरे हुए जीव जंतु और गंदगी उसी रैनीवाल योजना द्वारा भेजे गए शुद्ध पीने के पानी में मिल जाता है, फिर वही पानी बल्लभगढ़ विधानसभा के साथ-साथ एनआईटी विधानसभा में सप्लाई भी किया जाता है।

सेक्टर 55 के निवासी इस समस्या को पिछले कई वर्षो से प्रशासन को अवगत कराते आ रहे हैं। इस समस्या के समाधान के लिए आज से 6 महीने पहले भी सेक्टर

55 निवासियों द्वारा जलघर सेक्टर 25 के मुख्य द्वार पर 1 सप्ताह तक धरना प्रदर्शन किया था जिस पर स्मार्ट सिटी के सी.यो गरिमा मित्तल ने 1 महीने में समस्या के समाधान का आश्वासन दिया था। उसके बाद मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुधीर राजपाल ने भी आधिकारिक तौर पर इस समस्या के समाधान का तुरंत निवारण करने के आदेश देने के बावजूद समस्या वही ढाक के तीन पात चली आ रही है।

विधानसभा से पंडित मूलचंद शर्मा कैबिनेट मंत्री हैं और एनआईटी 86 विधानसभा से नीरज शर्मा प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इसके बावजूद लोग दूषित पानी को इस्तेमाल करने के लिए मजबूर हैं ।

भगत सिंह को आंतकवादी बताने वाले सांसद मान की छोटी मानसिकता : बिट्टा

करनाल(के सी आर्य) करनाल पहुंचे आतंकवाद विरोधी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनिंदर सिंह बिट्टा ने पंजाब के सांसद सिमरनजीत सिंह मान द्वारा भगत सिंह को आतंकवादी बताए जाने वाले बयान को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने पर कहा कि मान हरियाणा की धरती पर भगत सिंह के बारे में जो कहकर गए वह बेहद दुखद है, लेकिन अब सिमरनजीत मान के बारे में क्या कहूं, उनकी उम्र 82 वर्ष है और बुजुर्ग है। भगत सिंह को आतंकवादी कहने वाले के दिमाग का इलाज तो कोई डॉक्टर भी नहीं कर सकता।

उन्होंने कहा कि भगत सिंह जिंदा है,भगत सिंह अमर है और हमारे दिलों में है। भगत सिंह करोड़ों दिलों की धडक़न में बसता है। हमारे लिए भगत सिंह पवित्र और अमर है। भगत सिंह को आतंकवादी कहकर सांसद ने अपने कद को छोटा किया है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के करनाल, कुरुक्षेत्र व अन्य स्थानों कई आतंकवादी पकड़े गए। इसके साथ ही विस्फोटक सामग्री भी पकड़ी गई। इसलिए हरियाणा की पुलिस बहुत ज्यादा अलर्ट व सतर्क रहना होगा।

उन्होंने कहा कि मूसेवाले की हत्या के बाद हरियाणा व पंजाब की सुरक्षा एजेंसियां मिलकर काम कर रही है। हरियाणा के करनाल में भी जो गैंगस्टर है उनकी अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलाए जा रहे है, तो यह एक अच्छा कदम है। यदि हरियाणा में गैंगस्टर बढ़ेंगे तो हरियाणा की धरती बदनाम होगी, लेकिन प्रशासन गैंगस्टरों के खिलाफ सराहनीय कदम उठा रहा है।